भारतीय जीवन बीमा निगम रायपुर मण्डल की संभावनाएँ (प्रीमियम के आधार पर)

श्री विमल कुमार
(शोधार्थी)
सहायक प्राध्यापक(वाणिज्य)
सांई महाविद्यालय,
सेक्टर–6, भिलाई नगर, दुर्ग (छ.ग.)

डॉ. रवीष कुमार सोनी
सहायक प्राध्यापक(वाणिज्य)
कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेक्टर–7, भिलाई नगर, दुर्ग (छ.ग.)

संक्षेपिका

प्रस्तुत शोध पत्र भारतीय जीवन बीमा निगम रायपुर मण्डल की संभावनाएँ (प्रीमियम के आधार पर) पर आधारित है। भारतीय जीवन बीमा निगम के अर्न्तगत छत्तीसगढ़ के 16 जिले आते है इन 16 जिलो में निगम के 32 शाखाएं है जिनका निगम के प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है। भारतीय जीवन बीमा निगम के बीमा योजनाओं के विक्रय से प्राप्त होने वाले प्रीमियम पर निगम की प्रगति निर्भर करता है। वर्तमान में बीमा बाजार में 24 बीमा कंपनियाँ कायरत है। ऐसे में किसी भी बीमा कंपनी की प्रगति लोगों के द्वारा उसके बीमा योजना के क्रय पर निर्भर करता है। लोगों के द्वारा बीमा के क्रय के पूर्व उससे प्राप्त होने वाले लाभ एवं भुगतान किये जाने वाले प्रीमियम को ध्यान दिया जाता है। प्रीमियम के कम होने से प्रत्येक वर्ग के लोग बीमा का क्रय करने में सक्षम होते है।

वर्तमान में भारतीय जीवन बीमा निगम में अन्य बीमा कंपनियों से अधिक बीमा योजनाओं का विकल्प है। निगम पिछड़े क्षेत्रों के लोगों के आय को ध्यान में रखकर बीमा योजनाओं एवं प्रीमियम का निर्धारण कर रही है एवं कम से कम प्रीमियम में अधिकतम सुरक्षा प्रदान करने वाले बीमा योजनाओं को तैयार करने में प्रयासरत है। इस क्षेत्र में निजी बीमा कंपनियाँ भी प्रयासरत है। बीमा बाजार में भारतीय जीवन बीमा निगम अपने विषाल संगठनात्मक ढ़ाँचा, व्यवसाय एवं राष्ट्रीयकृत होने के कारण प्रथम स्थान पर है। इन्हीं विषेषताओं के कारण रायपुर मण्डल के बीमा धारकों के द्वारा निगम को अधिक पसंद किया जा रहा है।

प्रस्तावना

मानव सामाजिक प्राणी है जिसे कदम–कदम पर अनेक जोखिमों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं जोखिमों से बचने के लिए बीमा की आवश्यकता महसूस की गई है। मानवीय सभ्यता का इतिहास इस बात का प्रमाण है कि समयानुसार मानवों, समुदायों एवं राष्ट्रों ने सुरक्षा के लिए अनेक साधनों की खोज की है उन्हीं में से एक खोज बीमा है जो दुष्परिणामों से सुरक्षा प्रदान करता है। बीमा जोखिमों के विरूद्ध एक सुरक्षा है और जोखिमों के दुष्परिणामों से सुरक्षा प्रदान करने की एक उत्तम व्यवस्था है। बीमा बाजार में वर्तमान में अनेकों बीमा कंपनियाँ कार्यरत है जिसमें से एक बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम है। भारतीय जीवन बीमा निगम देश की सबसे पुरानी एवं राष्ट्रीयकृत बीमा कंपनी है। 01 सितंबर 1956 में भारतीय जीवन बीमा निगम का शुभारम्भ हुआ। निगम को प्रारम्भ से ही बीमा बाजार में

एकाधिकार प्राप्त था किन्तु सन् 2000 से देश के बीमा बाजार में 23 निजी बीमा कंपनियों ने प्रवेश किया। जिससे बीमा बाजार में प्रतिस्पर्धा प्रारम्भ हो गयी।

हम जिस सामाजिक ढांचे में रहते है उसमें निरन्तर परिवर्तन हो रहे हैं। वर्तमान समय में बीमा में निवेश करते समय लोग न केवल सुरक्षा चाहते हैं बल्कि मेहनत की कमाई पर एक अच्छा प्रतिलाभ भी चाहते हैं जिससे वे अपने परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर विकास कर सकें।

भारतीय जीवन बीमा निगम एक बहुआयामी संगठन है। यह भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी है। निगम ने मानव के हर प्रकार के जोखिमो के लिए बीमा योजना तैयार कर प्रस्तुत की है जैसे– बच्चों के लिए बाल जीवन बीमा योजनाएँ, स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ, पेंषन योजना, समूह बीमा, ग्रेज्युटी योजनाएँ, आवास ऋण, म्यूचुअल फण्ड योजना एवं विनियोग से संबंधित बीमा योजनाएँ आदि। वर्तमान में भारतीय जीवन बीमा निगम की 01 कार्पोरेट ऑफिस, 08 जोनल ऑफिस, 113 डिव्हिजनल ऑफिस, 2048 शाखा ऑफिस और 1000+सेटेलाईट ऑफिस है जोकि पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत है और एजेन्टों की संख्या 31 मार्च 2018 के स्थिति में 11,48,811 है।

भारतीय जीवन बीमा निगम की रायपुर मण्डल अपने स्थापना काल से ही अपने उद्देष्यों को पूर्ण करते हुए आ रही है एवं व्यवसायिक जगत में अपनी एक अलग ख्याति व पहचान बनाई है। आज निगम ने अनेक बीमा योजनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ के लोगों का विकास किया है। भारतीय जीवन बीमा निगम की वर्तमान में छत्तीसगढ में 03 मण्डल कार्यालय है जिनके अन्तर्गत 27 जिले आते है। इन मण्डल कार्यालयों में सबसे पुरानी एवं बड़ी रायपुर मण्डल है क्योकि इसके अन्तर्गत 16 जिलों के 16 मुख्य शाखा एवं 16 दूरस्थ शाखाये आते है।

शोध विषय का चयन

एसे बीमा कपंनी का अध्ययन करना जो देष की सबसे पुरानी एवं राष्ट्रीयकृत बीमा कंपनी है तथा जो मानव को यह विष्वास दिलाता है कि जब उसे अथवा उसके परिवार को आर्थिक सहायता की आष्यकता होगी उस वक्त वह आर्थिक रूप से सहायता करेगी।

शोध का महत्व

- भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मण्डल का वर्तमान में महत्व।
- भारतीय जीवन बीमा निगम बीमा धारक एवं उसके परिवार को आर्थिक संकट से बचाने में एक श्रेष्ठतम् समाज सेवा है।
- भारतीय जीवन बीमा निगम बेरोजगारी एवं लोगों के परेषानियों को दूर करता है।

शोध का उद्देष्य

- भारतीय जीवन बीमा निगम के बीमा योजनाओं के प्रति लोगों के रूची का अध्ययन करना।

- भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मण्डल की प्रगति की संभावनाओं का अध्ययन।
- भारतीय जीवन बीमा निगम में लोगों के रूचि को जानना।
- भारतीय जीवन बीमा निगम का निजी बीमा कंपनी से तुलना।

षोध परिकल्पना

- भारतीय जीवन बीमा निगम, प्रथम प्रीमियम के माध्यम से निरन्तर प्रगतिशील है।
- भारतीय जीवन बीमा निगम, प्रथम प्रीमियम के आधार पर प्रगति की संभावनाएँ है।
- निगम लोगों के आवश्यकता के अनुसार बीमा योजनाएँ प्रदान कर रही है।
- छत्तीसगढ़ के लोगों का निगम के योजनाओं के माध्यम से विकास हो रहा है।

शोध अध्ययन की सीमाएँ

अध्ययन की सीमाएँ भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मण्डल की 16 जिलों तक सीमित है। रायपुर मण्डल के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ के 16 जिलों में स्थित 16 मुख्य शाखा एवं 16 दूरस्थ शाखाएँ आती है। ये शाखाएँ निरन्तर आपने योजनाओं के प्रचार–प्रसार से लोगों को जीवन बीमा के महत्व को समझा रही है। किन्तु इन 16 जिलों में अधिकतम जिले पिछड़े हुए है और यहाँ षिक्षित लोगों की संख्या भी कम है जिस कारण निगम को यहा बीमा के विक्रय के लिए अत्यधिक परिश्रम करने पढ़ते है। रायपुर मण्डल के अर्न्तगत आने वाले जिले रायपुर, दुर्ग, सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, बस्तर नारायणपुर, कोण्ड़ागांव, कांकेर, गरियाबंद, धमतरी, बालोद, राजनादगांव, महासमुंद, बेमेतरा एवं कबीरधाम आदि है।

शोध प्रविधि

यहँ शोध अध्ययन सर्वेक्षण और मण्डल कार्यालय, रायपुर से प्राप्त 07 वर्षों के आँकड़ो पर आधारित है। अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ के 03 मण्डल कार्यालयों में से रायपुर मण्डल का चयन किया गया और इसके अर्न्तगत आने वाले शाखाओं के बीमाधारियों से साक्षात्कार एवं प्रश्नावली के माध्यम से तथ्यों का संकलन किया गया है। भारतीय जीवन बीमा निगम, आई. आर. डी. ए. एवं मण्डल कार्यालय, रायपुर के द्वारा प्रकाशित पत्र–पत्रिकाओं के सहयोग से समंको का संकलन किया गया।

भारतीय जीवन बीमा निगम की प्रगति, प्रीमियम के आधार पर–

किसी भी बीमा कंपनी की प्रगति उसके द्वारा विक्रय किये गये बीमा योजनाओं से प्राप्त प्रथम प्रीमियम पर निर्भर करता है। निगम के द्वारा यह प्रयास किया जाता है कि अधिक से अधिक बीमा योजनाओं का विक्रय करना, जिससे निगम को अधिकतम प्रथम प्रीमियम की प्राप्ति हो एवं बीमा धारकों के उद्देष्य पूर्ण हो।

तालिका क्रमांक–01
प्रथम प्रीमियम में वृद्धि/कमी

(लाख में)

वर्ष	प्रथम प्रीमियम	प्रतिशत वृद्धि / कमी
2011-12	23533.18	--
2012-13	23667.56	0.57 %
2013-14	24613.97	4.59 %
2014-15	23444.96	-0.37 %
2015-16	25960.65	10.31 %
2016-17	30891.45	31.27 %
2017-18	32687.28	38.90 %

स्त्रोत –भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मण्डल कार्यालय

सूत्रः–

$$\text{निर्देषांक की गणना प्रतिशत में} = \frac{\text{चालू वर्ष}}{\text{आधार वर्ष}} \times 100$$

$$= \frac{P_1}{P_0} \times 100$$

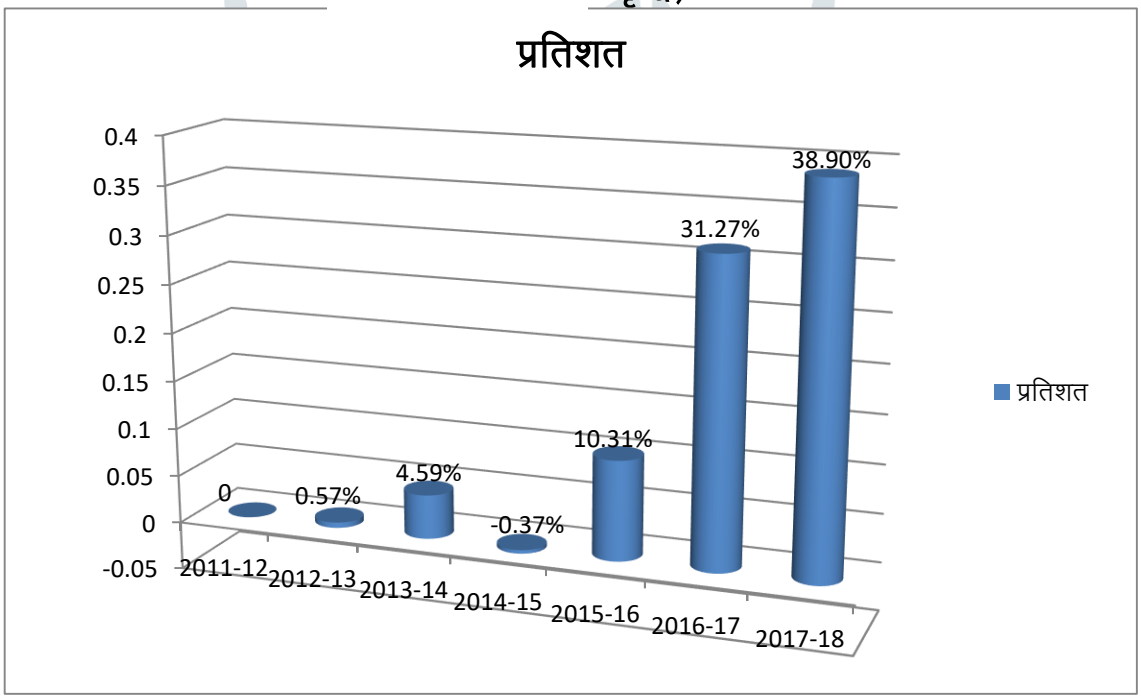

उपरोक्त सारणी क्रमांक–01 के अनुसार वर्ष 2011–12 में भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मण्डल की प्रथम प्रीमियम की राषि 23533.18 लाख रूपये थी जो की 2012–13 में कुछ वृद्धि के साथ 23667.56 लाख रूपये पर रही। भारतीय जीवन बीमा निगम की लोकप्रियता एवं लोगों का उसपर विष्वास के कारण यह राषि बढ़कर वर्ष 2013–14 में 24613.97 लाख रूपये हो गई जिसका प्रतिषत वृद्धि दर 4. 59% आँका गया। निगम की वर्ष 2014–15 में बाजार में मंदी के कारण –0.37% की गिरावट के साथ 23444.96 लाख रूपये का ही व्यवसाय कर सकी। अतः बाजार में बीमा योजनाओं के गिरावट के कारणों को दूर कर वर्ष 2015–16 में 10.31% की वृद्धि के साथ 25960.65 लाख रूपये का प्रथम प्रीमियम की

प्राप्ति हुई। इसके साथ ही वर्ष 2016–17 में जीवन बीमा योजना के लगातार प्रचार–प्रसार और उसकी गुणवत्ता को लोगों ने अत्यन्त सहज रूप से स्वीकार किया जिसके फलस्वरूप इस वर्ष 2016–17 में प्रथम प्रीमियम की राषि में अत्याधिक बढ़त देखने को मिली। जो कि 30891.45 लाख रूपये 31.27% की वृद्धि रही। गत वर्ष से कुछ और वृद्धि के साथ वर्ष 2017–18 में 38.90% के साथ 32687.28 लाख रूपये की प्रथम प्रीमियम की प्राप्ति हुई। वर्तमान में इन आँकड़ों के आधार पर देखा जा सकता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मण्डल अपने बीमा योजनाओं के उत्कृष्ठता के बल पर दिन प्रतिदिन प्रगति कर अपनी ख्याति विख्यात रूप से अर्जित कर रही है। रायपुर मण्डल के सहयोग से कितने ही लोग अपने परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रहे है और अनेक माता–पिता अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य को उन्नति एवं स्थिरता देने में लगे हुये हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम के बीमा योजनाओं से रायपुर मण्डल से जुड़े सभी क्षेत्रों में लोगों का निरन्तर विकास हो रहा है आज व्यक्ति अपना जीवन बीमा कराके अनेको आर्थिक संकटों में निर्भय होकर कार्य करता है क्योकि उसे पता होता है कि उसके पष्चात् उसके परिवार को अर्थिक संकट के समय भारतीय जीवन बीमा निगम के द्वारा बीमा की पूर्ण राषि प्रदान कर दी जायेगी।

भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मण्डल की संभावनाएँ

भारतीय जीवन बीमा निगम रायपुर मण्डल की भविष्य में प्रगति की संभावनाओं को प्रीमियम के आधार पर सर्वेक्षण के माध्यम से ज्ञात किया गया। जिसके अन्तर्गत प्रीमियम के आधार पर न्यायदर्षियों के द्वारा चुने जाने वाले जीवन बीमा कंपनियों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करने हेतु भारतीय जीवन बीमा निगम एवं 05 निजी बीमा कंपनियों का चयन किया गया। न्यायदर्ष के रूप में चुने चारो वर्गों (शासकीय कर्मचारी, अषासकीय कर्मचारी, व्यवसायी एवं कृषक) के बीमा धारकों से प्रत्यक्ष रूप से सर्वेक्षण के माध्यम से आँकड़ों का संकलन किया गया जो कि निम्नानुसार है–

तालिका क्रमांक–02
प्रीमियम के आधार पर संभावनाएँ
(शा. कर्मचारी, अशा. कर्मचारी, व्यवसायी व कृषकों के आधार पर)

क्रं.	जीवन बीमा कंपनियाँ	बीमा धारकों की संख्या			
		शासकीय कर्मचारी	अशासकीय कर्मचारी	व्यवसायी	कृषक
1	भारतीय जीवन बीमा निगम	276 (49.19%)	292 (60.83%)	183 (45.75%)	72 (45.00%)
2	एचडीएफसी स्टैण्र्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	12 (02.14%)	03 (00.62%)	16 (04.00%)	04 (02.50%)
3	आईसीआईसीआई प्रूडेंषियल लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड	36 (06.43%)	19 (03.96%)	28 (07.00%)	09 (05.63%)
4	बिरला सनलाईफ इंश्योरेंस कंपनी	52 (09.29%)	42 (08.75%)	45 (11.25%)	17 (10.62%)

	लिमिटेड				
5	एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	158 (28.21%)	117(24.38%)	114 (28.50%)	50 (31.25%)
6	बजाज एलियांज लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड	26 (04.64%)	07 (01.46%)	14 (03.50%)	08 (05.00%)
	योग	**560 (100%)**	**480 (100%)**	**400 (100%)**	**160 (100%)**

स्त्रोत– सर्वेक्षण

आरेख क्रमांक–02
प्रीमियम के आधार पर संभावनाएँ
(शा. कर्मचारी, अशा. कर्मचारी, व्यवसायी व कृषकों के आधार पर)

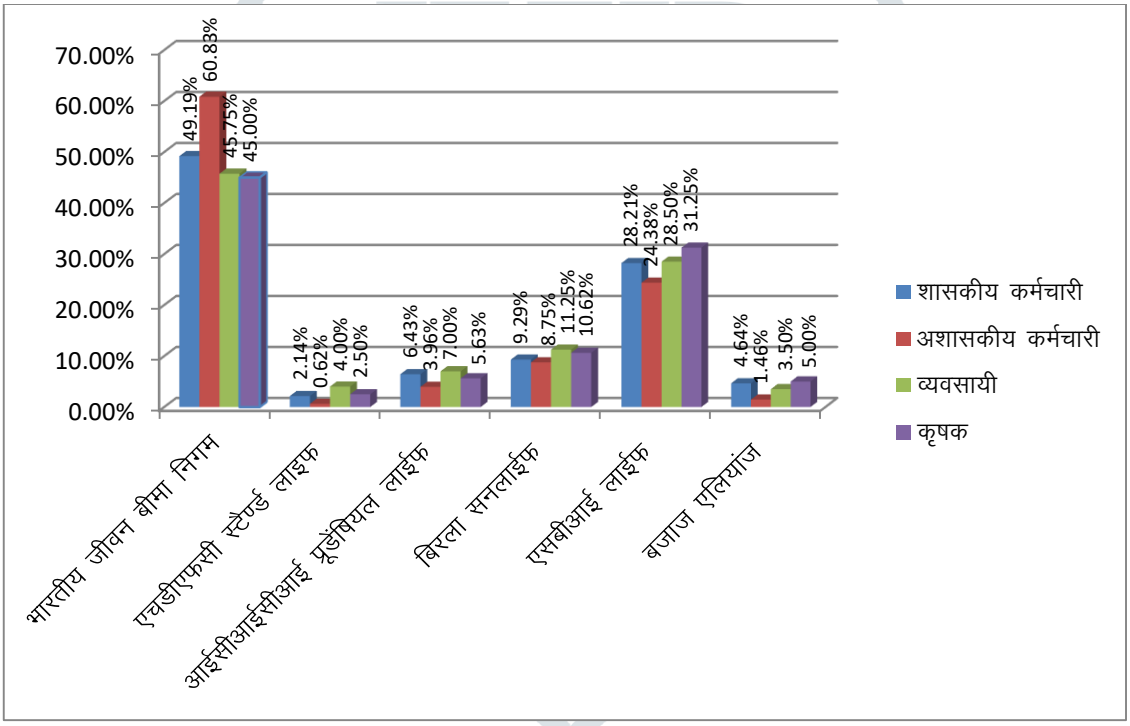

उपरोक्त रेखाचित्र से स्पष्ट होता है कि यादृक्षिक रूप से चुने हुए चारो वर्गों के न्यायदर्षियों में शासकीय कर्मचारीयों के द्वारा सबसे अधिक 49.19% न्यायदर्षियों ने भारतीय जीवन बीमा निगम को चुना, जबकि निजी बीमा कंपनियों में एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 28.21% न्यायदर्षियों ने चुना इसी क्रम में 09.29% न्यायदर्षी बिरला सनलाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, 06.43% न्यायदर्षी आईसीआईसीआई प्रूडेंषियल लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड, 04.64% न्यायदर्षी बजाज एलियांज लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड और सबसे कम 02.14% न्यायदर्षियों के द्वारा एचडीएफसी स्टैण्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को चुना गया।

न्यायदर्षियों में अशासकीय कर्मचारीयों के द्वारा सबसे अधिक 60.83% न्यायदर्षियों ने भारतीय जीवन बीमा निगम को चुना, जबकि निजी बीमा कंपनियों में एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 24.38% न्यायदर्षियों ने चुना इसी क्रम में 08.75% न्यायदर्षी बिरला सनलाईफ इंश्योरेंस कंपनी

लिमिटेड, 03.96% न्यायदर्षी आईसीआईसीआई प्रूडेंषियल लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड, 01.46% न्यायदर्षी बजाज एलियांज लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड और सबसे कम 00.62% न्यादषियों के द्वारा एचडीएफसी स्टैण्र्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को चुना गया।

न्यायदर्षियों में व्यवसायीयों के द्वारा सबसे अधिक 45.75% न्यायदर्षियों ने भारतीय जीवन बीमा निगम को चुना, जबकि निजी बीमा कंपनियों में एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 28.50% न्यायदर्षियों ने चुना इसी क्रम में 11.25% न्यायदर्षी बिरला सनलाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, 07.00% न्यायदर्षी आईसीआईसीआई प्रूडेंषियल लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड, 04.00% न्यायदर्षी एचडीएफसी स्टैण्र्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और सबसे कम 03.50% न्यायदषियों के द्वरा बजाज एलियांज लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड को चुना गया।

न्यायदर्षियों में कृषकों के द्वारा सबसे अधिक 45.00% न्यायदर्षियों ने भारतीय जीवन बीमा निगम को चुना, जबकि निजी बीमा कंपनियों में एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 31.25% न्यायदर्षियों ने चुना इसी क्रम में 10.62% न्यायदर्षी बिरला सनलाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, 05.63% न्यायदर्षी आईसीआईसीआई प्रूडेंषियल लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड, 05.00% न्यायदर्षी बजाज एलियांज लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड और सबसे कम 02.50% न्यायदषियों के द्वरा एचडीएफसी स्टैण्र्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को चुना गया।

इस प्रकार उपरोक्त चारों वर्गों के न्यायदर्षियों के अनुसार चुने गये बीमा कंपनीयों को देखे तो सबसे अधिक प्रतिषत न्यायदर्षियों के द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम को ही चुना गया है तद् पश्चात् निजी बीमा कंपनियों में द्वितीय स्थान पर एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को चुना गया है एवं सबसे कम न्यायदर्षियों के द्वारा एचडीएफसी स्टैण्र्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को चुना गया। व्यवसायी न्यादर्षियों में सबसे कम न्यादर्षियों के द्वारा बजाज एलियांज लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड को चुना गया। अतः उपरोक्त अनुसार प्रीमियम के आधार पर भविष्य में भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मण्डल की प्रगति करने की संभावनाएँ है।

तालिका क्रमांक–03
प्रीमियम के आधार पर संभावनाएँ
शा. कर्मचारी, अशा. कर्मचारी, व्यवसायी व कृषकों के योग के आधार पर

क्रं.	जीवन बीमा कंपनियाँ	योग
1	भारतीय जीवन बीमा निगम	823 (51.43%)
2	एचडीएफसी स्टैण्र्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	35 (02.19%)
3	आईसीआईसीआई प्रूडेंषियल लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड	92 (05.75%)
4	बिरला सनलाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	156 (09.75%)
5	एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	439 (27.44%)
6	बजाज एलियांज लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड	55 (03.44%)
	योग	**1600 (100%)**

स्त्रोत– सर्वेक्षण

आरेख क्रमांक–03
प्रीमियम के आधार पर संभावनाएँ
(शा. कर्मचारी, अशा. कर्मचारी, व्यवसायी व कृषकों के योग के आधार पर)

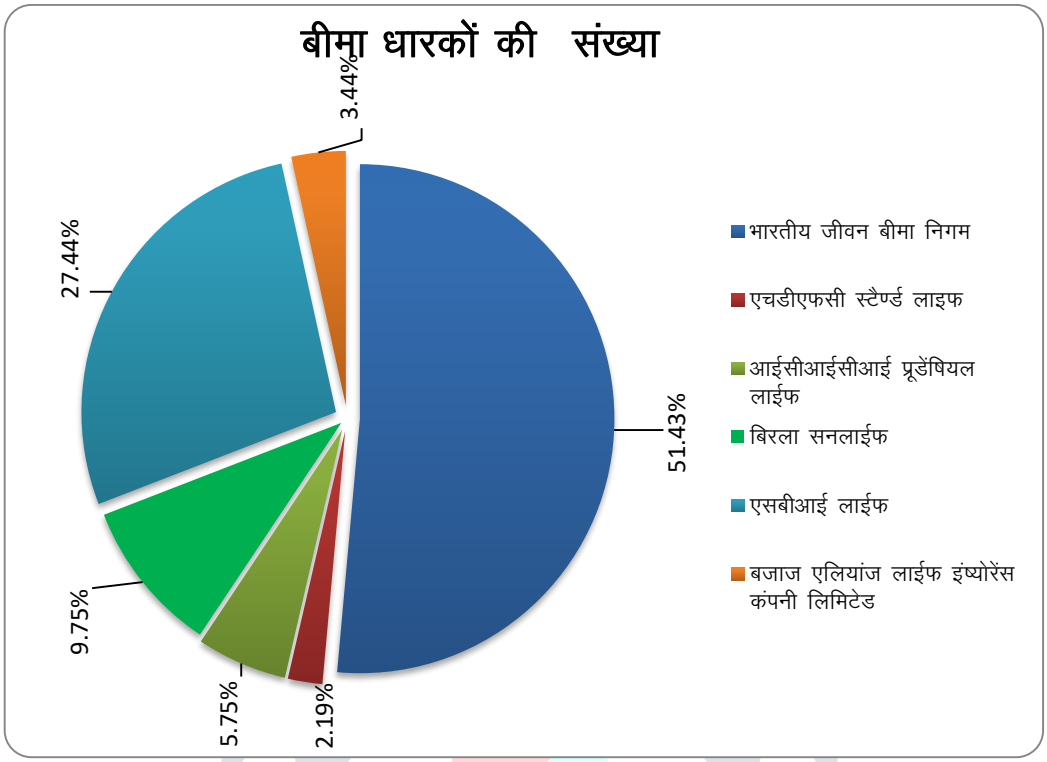

उपरोक्त रेखाचित्र से स्पष्ट होता है कि याद्रक्षिक रूप से चुने हुए चारो वर्ग के न्यायदर्षियों के योग के अनुसार 51.43% न्यायदर्षियों ने प्रीमियम के आधार पर भारतीय जीवन बीमा निगम को चुना, जबकि निजी बीमा कंपनियों में एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 27.44% न्यायदर्षियों ने चुना, इसी क्रम में 09.75% न्यादर्षी बिरला सनलाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, 05.75% न्यायदर्षी आईसीआईसीआई प्रूडेंषियल लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड, 03.44% न्यायदर्षी बजाज एलियांज लाईफ इंष्योरेंस कंपनी लिमिटेड और सबसे कम 02.19% न्यायदषियों के द्वारा एचडीएफसी स्टैण्र्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को चुना गया। इस प्रकार प्रीमियम के आधार न्यायदर्षियों के योग के अनुसार देखे तो उनके द्वारा सर्व प्रथम प्रीमियम के आधार पर बीमा कराने हेतु भारतीय जीवन बीमा निगम का ही चुनाव किया गया है। अतः भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मण्डल लोगों को उनके बजट के अनुसार कम प्रीमियम में बेहतर व अधिक लाभकारी बीमा योजना प्रदान कर रही है। इसके साथ–साथ इसकी राष्ट्रीकृत होने से लोगों का इस पर अत्यधिक विष्वास है जिससे लोग निगम के बीमा योजनाओं की ओर आकर्षित होते है। इसके आधार पर कहा जा सकता है कि भविष्य में भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मण्डल के और प्रगति करने की संभावनाएँ है।

सुझाव एवं निष्कर्ष

वर्तमान में बीमा बाजार में 24 बीमा कंपनियाँ कार्यरत है। भारतीय जीवन बीमा निगम उनमें से एक है जो की बीमा के क्षेत्र में सबसे पुरानी एवं राष्ट्रीकृत है। वर्तमान में भारतीय जीवन बीमा निगम

बीमा बाजार में प्रथम स्थान पर है एवं एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने अत्यन्त कम समय में बीमा बाजार में द्वितीय स्थान प्राप्त कर लिया है। अतः भारतीय जीवन बीमा निगम को बीमा बाजार में प्रथम स्थान पर बने रहने के लिए अपने विज्ञापनों में वृद्धि करने, बीमा योजनाओं को और आकर्षक बनाने के साथ–साथ बीमा योजनाओं के प्रीमियम का निर्धारण लोगों के आवष्यकताओं एवं बीमा बाजार के उतार–चड़ाव को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। निगम को परम्परागत कार्य प्रणाली से हटकर नवीन तकनिकों का प्रयोग करना चाहिए और पिछड़े क्षेत्रों में बीमा योजनाओं के विक्रय में अधिक जोर देना चाहिए।

भारतीय जीवन बीमा निगम के बीमा योजनाओं के विक्रय से प्राप्त प्रथम प्रीमियम के आधार पर देखे तो निगम के प्रीमियम के प्राप्ति में निरन्तर वृद्वि हो रही है। न्ययदर्षो के अनुसार भी वे प्रीमियम के आधार पर बीमा योजनाओं के क्रय हेतु निगम का ही सर्वप्रथम चयन करते है। अतः इस आधार पर कहा जा सकता है की निगम की और अधिक प्रगति करने की संभावनाएँ है।

संदर्भ ग्रंथ

- अग्रवाल डॉ. गोपाल कृष्ण, पाण्डेय डॉ. शील स्वरूप, सामाजिक शोध, साहित्य भवन पब्लिकेषन : आगरा, 1999
- IC02, जीवन बीमा के व्यवहार, भारतीय बीमा संस्थान, मुंबई, 2011
- IC33, जीवन बीमा, भारतीय बीमा संस्थान : मुंबई, 2014
- श्रीवास्तव डॉ. बालचंद्र, बीमा के तत्व, साहित्य भवन पब्लिकेषन : आगरा, 2008
- मिनी रेडी रेकनर, एल.आई.सी.प्लान, निपुर्ण पब्लिकेषन : नई दिल्ली, 2011
- प्रोफेषनल गाइड्, एल.आई.सी.मार्केटिग, सूर्या पब्लिकेषन : नई दिल्ली, अक्टूबर–2012
- विश्नोई डॉ. राधाकृष्ण, बीमा के सिद्धान्त, एस.बी.डी.पब्लिषिंग हाउस, 2013–14
- समाचार पत्र – नवभारत, दैनिक भास्कर, हरिभूमि, पत्रिका
- भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रकाषित पत्र–पत्रिकाएँ
- भारतीय जीवन बीमा निगम की डायरी, 2018

इन्टरनेट वेबसाइटस :–

1. http://www.irda.gov.in
2. https://www.licindia.in
3. https://www.poonjibazar.com
4. https://www.scotbuzz.org